टिप्पणी

14

वित्तीय विवरण (समायोजन रहित)

224hi14

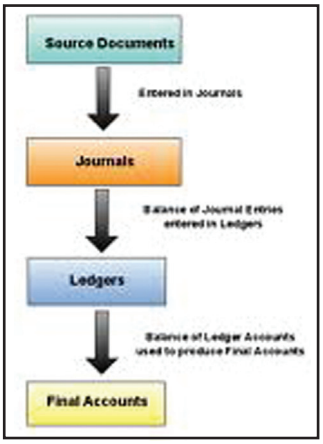

पिछले अध्यायों में आपने विभिन्न लेखा पुस्तकों में व्यावसायिक लेनदेनों का अभिलेखन तथा प्रधान बही अर्थात खाताबही में उनकी खतौनी करना सीखा है। आप खातों का शेष निकालना और तलपट बनाना भी सीख चुके हो। लेखांकन का एक मुख्य उद्देश्य व्यवसाय की एक निश्चित लेखा अवधि का लाभ या हानि का पता लगाना और एक निश्चित तिथि को उसकी वित्तीय स्थिति को भी जानना है।

इस उद्देश्य के लिए सभी व्यवसायिक संगठन प्रत्येक वर्ष आय विवरण और स्थिति विवरण तैयार करते हैं। आय विवरण को दो भागों में बांटा गया है, जो कि निम्न हैं :

(i) व्यापार खाता और

(ii) लाभ–हानि खाता।

आय विवरण व्यवसाय की एक निश्चित लेखा अवधि के दौरान लाभ को जानने के लिए या उसी अवधि के दौरान हानि को जानने के लिए तैयार किया जाता है। स्थिति विवरण, तुलनपत्र भी कहलाता है। जो एक निश्चित तिथि को व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को जानने के लिए बनाया जाता है।

इस अध्याय में आप सीखेंगे कि एक लेखांकन वर्ष का लाभ ज्ञात करने के लिए वित्तीय विवरण कैसे तैयार किए जाते हैं तथा एक विशेष तिथि को उसकी वित्तीय स्थिति कैसे ज्ञात की जाती है।

लेखांकन के पड़ाव

उद्देश्य

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात आप इस योग्य हो जाएँगे कि :

- वित्तीय विवरणों के अर्थ की व्याख्या कर सकेंगे;
- वित्तीय विवरणों के उद्देश्यों का वर्णन कर सकेंगे;
- वित्तीय विवरणों को व्यापार खाता, लाभ और हानि खाता और स्थिति विवरण में वर्गीकृत कर पाएंगे और
- व्यापार खाता, लाभ और हानि खाता और स्थिति विवरण तैयार कर सकेंगे।

14.1 वित्तीय विवरणों का अर्थ

जैसे एक विद्यार्थी को अपनी वार्षिक परीक्षा के परिणाम का बड़ी उत्सुकता से इंतजार रहता है, उसी प्रकार प्रत्येक व्यापारी को भी एक निश्चित वित्तीय वर्ष में व्यवसाय के परिणाम को जानने का बड़ी उत्सुकता से इंतजार रहता है। व्यवसायी एक निश्चित तिथि को अपने व्यवसाय की वित्तीय स्थिति भी जानना चाहता है। यह तिथि साधारणतया वित्तीय वर्ष की अन्तिम तिथि होती है, जिसके लिए खाते तैयार हो चुके होते हैं। व्यवसाय की वित्तीय स्थिति और व्यवसाय के परिणाम को जानने के लिए जो विवरण तैयार किए जाते हैं, उन्हें वित्तीय विवरण कहते हैं। विवरण, जो सकल लाभ या सकल हानि ज्ञात करने के लिए तैयार किया जाता है, व्यापार खाता कहलाता है। शुद्ध लाभ या शुद्ध हानि ज्ञात करने के लिए जो विवरण तैयार किया जाता है, वह लाभ-हानि खाता कहलाता है। व्यापार खाता और लाभ-हानि खाता दोनों को मिलाकर आय विवरण कहा जाता है। व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को जानने के लिए जो विवरण तैयार किया जाता है, वह तुलनपत्र या स्थिति विवरण कहलाता है।

14.2 वित्तीय विवरण के उद्देश्य

वित्तीय विवरणों को तैयार करने के उद्देश्य निम्न हैं :

i) **व्यवसाय की क्रियाओं के परिणाम को जानना :** वित्तीय विवरणों को तैयार करने का एक मुख्य उद्देश्य आय का निर्धारण करना है। वित्तीय विवरण एक निश्चित लेखा अवधि या वर्ष के दौरान होने वाले लाभ या हानि के बारे में सूचना प्रदान करता है।

ii) **व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को जानना :** स्थिति विवरण व्यवसाय की एक निश्चित तिथि को उसकी वित्तीय स्थिति के बारे में सूचना प्रदान करता है।

iii) **सही निर्णय लेना :** वित्तीय विवरण व्यवसाय के निर्णय लेने में बहुत सहायक होते हैं। वित्तीय विवरणों की सूचनाओं के आधार पर भविष्य के अनुमान सही लगाए जा सकते हैं।

iv) **प्रबन्ध के निष्पादन का निर्णय करना :** किसी व्यवसाय गृह के संसाधनों के उपयोग तथा प्रबंध के निष्पादन की जाँच करने में वित्तीय विवरण सहायक होते हैं।

v) **व्यवसाय की रोकड़ स्थिति को जानना :** व्यवसाय में लेनदारों, आपूर्तिकर्ताओं आदि को नकद भुगतान करने की योजना बनाने में, वित्तीय विवरणों द्वारा दर्शाई गई रोकड़ स्थिति, सहायता करती है।

14.3 वित्तीय विवरणों का वर्गीकरण

एकल व्यापारी के वित्तीय विवरण निम्नलिखित होते हैं :

I. आय विवरण
   i. व्यापार खाता और ii. लाभ-हानि खाता

II. स्थिति विवरण या तुलनपत्र

आय विवरण

आय विवरण व्यवसाय की एक निश्चित लेखा अवधि के लाभ या हानि का पता लगाने के लिए तैयार किया जाता है। आय विवरण के निम्न दो भाग होते हैं :

i. व्यापार खाता और
ii. लाभ-हानि खाता

i) व्यापार खाता : किसी एक लेखा अवधि के दौरान व्यवसाय की क्रियाओं से हुए सकल लाभ या सकल हानि ज्ञात करने के लिए व्यापार खाता बनाया जाता है। यह खाता T-फार्म में तैयार होता है। व्यापार खाते का नमूना नीचे दिया गया है :

मैसर्स 'कखग' का व्यापार खाता
वर्ष समाप्ति ..... के लिए

नाम जमा

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
प्रारम्भिक स्टॉक	_____	विक्रय	
क्रय		(i) नकद विक्रय _____	
(i) नकद क्रय _____		(ii) उधार विक्रय _____	
(ii) उधार क्रय _____		कुल विक्रय _____	
कुल क्रय _____		*घटा :* विक्रय वापसी _____	
घटा : क्रय वापसी _____		शुद्ध विक्रय	_____
शुद्ध क्रय	_____	अन्तिम स्टॉक	_____
प्रत्यक्ष व्यय :		सकल हानि	_____
मजदूरी	_____	(लाभ-हानि खाता में हस्तांतरित)	
ढुलाई/आगत ढुलाई	_____		
भाड़ा/आगत भाड़ा	_____		
ईंधन एवं बिजली	_____		
कारखाने का किराया	_____		
सकल लाभ (लाभ-हानि खाते में हस्तांतरित)			
	_____		_____

उदाहरण 1

मैसर्स लक्ष्मी एंड सन्स की लेखा बहियों से निम्न शेष नीचे दिए गए हैं। 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष का व्यापार खाता तैयार कीजिए।

विवरण	राशि (₹)
प्रारम्भिक स्टॉक	6,500
क्रय	45,000
विक्रय	72,000
क्रय वापसी	500
विक्रय वापसी	1,500
ढुलाई	1,200
मजदूरी	4,800
ईंधन एवं बिजली	3,200
अन्तिम स्टॉक	8,000

हल

मैसर्स लक्ष्मी एण्ड सन्स का व्यापार खाता
31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए

नाम जमा

विवरण		राशि (₹)	विवरण		राशि (₹)
प्रारम्भिक स्टॉक		6,500	बिक्री	72,000	
क्रय	45,000		*घटा :* बिक्री वापसी	-1,500	70,500
घटा : क्रय वापसी	-500	44,500	अन्तिम स्टॉक		8,000
ढुलाई		1,200			
मजदूरी		4,800			
ईंधन एवं बिजली		3,200			
सकल लाभ (लाभ हानि खाते में हस्तान्तरित)		18,300			
		78,500			78,500

उदाहरण 2

मैसर्स भानु ब्रदर्स की किताबों से निम्नलिखित शेष लिए गए हैं। 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष का व्यापार खाता तैयार कीजिए

विवरण	राशि (₹)
प्रारम्भिक स्टॉक	32,000
क्रय	1,65,000
भाड़ा	4,000
बिजली	6,500
कस्टम कर	5,500
विक्रय	80,000
31 मार्च, 2012 को अन्तिम स्टॉक	30,000

हल

मैसर्स भानु ब्रदर्स का व्यापार खाता
31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए

नाम जमा

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
प्रारम्भिक स्टॉक	32,000	विक्रय	80,000
क्रय	1,65,000	अन्तिम स्टॉक	30,000
भाड़ा	4,000	सकल हानि-लाभ हानि	1,03,000
बिजली	6,500	(खाते में हस्तांतरित)	
कस्टम कर	5,500		
	2,13,000		2,13,000

पाठगत प्रश्न 14.1

उचित शब्द/शब्दों से खाली स्थान भरिए :

i. ढुलाई को _____ खाते के नाम में लिखा जाता है।
ii. कुल बिक्री - विक्रय वापसी = _____
iii. मजदूरी को _____ खाते के नाम में लिखा जाता है।
iv. अन्तिम स्टॉक व्यापार खाते के _____ की ओर दर्शाया जाता है।
v. कुल क्रय - क्रय वापसी = _____

ii) लाभ और हानि खाता : व्यापार खाते को तैयार करके सकल लाभ या सकल हानि निकालने के पश्चात, लेखा अवधि के दौरान व्यवसाय के शुद्ध लाभ/शुद्ध हानि निकालने के लिए लाभ और हानि खाता तैयार किया जाता है। यह खाता भी T-फार्म में ही तैयार किया जाता है। लाभ हानि खाते का नमूना नीचे दिया गया है :

मैसर्स ..... का लाभ हानि खाता
..... को समाप्त वर्ष के लिए

नाम जमा

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
सकल हानि व्यापार		सकल लाभ व्यापार	
खाते से हस्तांतरित	_____	खाते से हस्तांतरित	_____
वेतन	_____	कमीशन प्राप्त किया	_____
कार्यालय का किराया	_____	ग्राहकों से छूट प्राप्त किया	_____
छपाई तथा स्टेशनरी	_____	किराया प्राप्त किया	_____

बीमा प्रीमियम		ब्याज प्राप्त किया	
ब्याज दिया		शुद्ध घाटा पूंजी खाते	
भाड़ा बहिर्वाह		में हस्तांतरित किया	
ढुलाई बहिर्वाह		(शेष राशि)	
ग्राहकों को दी गई छूट			
डाक व्यय			
टेलीफोन व्यय			
कार्यालय व्यय			
बिक्री व्यय			
शुद्ध लाभ को पूंजी खाते में हस्तांतरित किया (शेष राशि)			

उदाहरण 3

नीचे दी गई सूचना से मैसर्स साहिल ब्रदर्स के लिए 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष का लाभ हानि खाता तैयार कीजिए।

विवरण	₹
सकल लाभ	97,000
ग्राहकों को छूट दी	2,000
छपाई तथा स्टेशनरी	2,000
कार्यालय किराया	5,000
मरम्मत	2,400
बीमा प्रीमियम	5,100
टेलीफोन व्यय	1,000
लेनदारों से प्राप्त छूट	3,000
वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	5,000

हल

मैसर्स साहिल ब्रदर्स का लाभ हानि खाता
31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए

नाम **जमा**

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
ग्राहकों को दी छूट	2,000	सकल लाभ व्यापार	
छपाई तथा स्टेशनरी	2,000	खाते से हस्तांतरित	97,000
कार्यालय किराया	5,000	लेनदारों से छूट प्राप्ति	3,000

मरम्मत	2,400	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	5,000
बीमा प्रीमियम	5,100		
टेलीफोन व्यय	1,000		
शुद्ध लाभ – पूंजी खाते में हस्तांतरण	87,500		
	1,05,000		1,05,000

उदाहरण 4

निम्न सूचना से मैसर्स सार्थक ट्रेडर्स के लिए 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष का लाभ हानि खाता तैयार कीजिए।

विवरण	राशि (रू.)
सकल लाभ	43,000
ग्राहकों को दी गई छूट	7,000
वेतन	45,000
ऋण पर ब्याज दिया	13,000
डाक व्यय	2,400
लेनदारों से छूट प्राप्त की	6,000
कमीशन मिला	1,000
विक्रय व्यय	10,000

हल

मैसर्स सार्थक ट्रेडर्स का लाभ हानि खाता
31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए

नाम जमा

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
ग्राहकों को दी गई छूट	7,000	सकल लाभ व्यापार खाते	
वेतन	45,000	से हस्तांतरित	43,000
ऋण पर ब्याज	13,000	लेनदारों से प्राप्त छूट	6,000
डाक व्यय	2,400	कमीशन मिला	1,000
विक्रय व्यय	10,000	शुद्ध हानि को पूंजी खाते में हस्तांतरित किया	27,400
	77,400		77,400

पाठगत प्रश्न 14.2

नीचे दिए गए विवरण सही हैं या गलत :

i. आगत ढुलाई को लाभ हानि खाते में दिखाया जाता है।
ii. टेलीफोन व्यय को व्यापार खाते में दर्शाया जाता है।
iii. बहिर्वाह ढुलाई को लाभ हानि खाते में दर्शाया जाता है।
iv. सकल लाभ को लाभ हानि खाते से व्यापार खाते में हस्तांतरित किया जाता है।

व्यापार खाते और लाभ हानि खाते में अन्तर : व्यापार खाते और लाभ हानि खाते में अन्तर इस प्रकार है :

क्र. सं.	व्यापार खाता	लाभ-हानि खाता
1.	यह खाता एक लेखा अवधि के सकल लाभ या सकल हानि को दर्शाता है।	यह खाता एक लेखा अवधि के शुद्ध लाभ या शुद्ध हानि को दर्शाता है।
2.	व्यवसाय के समस्त प्रत्यक्ष खर्चे इस खाते के नाम पक्ष में लिखे जाते हैं।	व्यवसाय के समस्त अप्रत्यक्ष खर्चे इस खाते के नाम पक्ष में लिखे जाते हैं।
3.	समस्त प्रत्यक्ष आय वाली मदें इस खाते के जमा पक्ष में लिखी जाती हैं।	समस्त अप्रत्यक्ष आय वाली मदें इस खाते के जमा पक्ष में लिखी जाती हैं।
4.	इस खाते का शेष जैसे : सकल लाभ या सकल हानि, लाभ हानि खाते में हस्तांतरित होती है।	इस खाते का शेष जैसे : शुद्ध लाभ या शुद्ध हानि उद्यमी के पूंजी खाते में हस्तांतरित होती है।

स्थिति विवरण या तुलनपत्र : एक निश्चित तिथि को व्यवसाय की वित्तीय स्थिति का पता लगाने के लिए स्थिति विवरण या आर्थिक चिट्ठा तैयार किया जाता है। साधारणतया यह एक लेखा अवधि की अंतिम तिथि को तैयार किया जाता है। यह व्यापार खाता और लाभ हानि खाता तैयार करने के बाद तैयार किया जाता है। आर्थिक चिट्ठे में दो पक्ष होते हैं। बांए हाथ का पक्ष देनदारियां पक्ष जाना जाता है ओर दाएं हाथ का पक्ष सम्पत्ति पक्ष जाना जाता है।

देनदारियां पक्ष व्यवसाय की देनदारियों को दर्शाने के लिए प्रयोग किया जाता है। देनदारियों में व्यवसाय की आन्तरिक देनदारियाँ और बाह्य देनदारियाँ शामिल होती है। आन्तरिक देनदारियों का अर्थ व्यवसाय के द्वारा उसके मालिक को भुगतान करना जबकि बाह्य देनदारियों का अर्थ बाहर वाले लोगों को भुगतान करना है।

आन्तरिक और बाह्य देनदारियों का वर्गीकरण

	आन्तरिक देनदारियाँ	बाह्य देनदारियाँ
1.	पूँजी	लेनदार
2.	व्यवसाय के लाभ	बैंक ऋण और अन्य ऋण
3.	व्यवसाय के संचय	भुगतान करने योग्य अदत्त खर्चे

सम्पत्ति पक्ष व्यवसाय की सम्पत्तियो को दर्शाने के लिए प्रयोग किया जाता है। सम्पत्ति में व्यवसाय की चालू सम्पत्ति व स्थायी सम्पत्ति शामिल होती है।

सम्पतियों का वर्गीकरण

	स्थायी सम्पत्ति	चालू सम्पत्ति
1.	भूमि एवं भवन	हस्तस्थ रोकड़
2.	प्लांट एवं मशीनरी	बैंक में रोकड़
3.	फर्नीचर	माल का स्टॉक
4.	मोटरगाड़ी इत्यादि	देनदार आदि।

स्थिति विवरण को तैयार करने के उद्देश्य

स्थिति विवरण निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए तैयार किया जाता है :

i. व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को जानने के लिए।

ii. व्यवसाय की आन्तरिक देनदारियों और बाह्य देनदारियों की स्थिति जानने के लिए ताकि समय से उनके भुगतानों का प्रबंध किया जा सके।

iii. स्थायी सम्पत्तियों और चालू सम्पत्तियों की स्थिति जानने के लिए।

iv. वर्तमान वित्तीय स्थिति के आधार पर भविष्य की क्रियाओं के नियोजन के लिए।

आर्थिक चिट्ठे का नमूना

मैसर्स ..... का आर्थिक चिट्ठा
..... को

देनदारियाँ	राशि (₹)	सम्पत्तियाँ	राशि (₹)
बैंक अधिविकर्ष	_____	हस्तस्थ रोकड़	_____
लेनदार	_____	बैंक में रोकड़	_____
ऋण/बैंक ऋण	_____	देनदार	_____
पूंजी _____		स्टॉक	_____
जोड़ : शुद्ध लाभ _____		विनियोग	_____
घटा : शुद्ध हानि _____		फर्नीचर	_____
घटा आहरण _____	_____	मोटर कार	_____
		प्लांट एवं मशीन	_____
		भूमि एवं भवन	_____
	_____		_____

उदाहरण 5

निम्नलिखित सूचना श्री रोशन लाल ने दी है, इसकी सहायता से श्री रोशन लाल का 31 मार्च, 2012 का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	राशि (₹)
पूंजी	50,000
फर्नीचर	15,000
देनदार	25,000
लेनदार	30,000
प्लांट एवं मशीन	58,000
विनियोग	5,000
हस्तस्थ रोकड़	1,000
बैंक में रोकड़	1,000
अन्तिम स्टॉक	10,000
बैंक अधिविकर्ष	8,000
बैंक ऋण	20,000
शुद्ध लाभ	10,000
आहरण	3,000

हल

श्री रोशन लाल का स्थिति विवरण
31 मार्च, 2012 को

देनदारियाँ		राशि (₹)	सम्पत्ति	राशि (₹)
बैंक अधिविकर्ष		8,000	हस्तस्थ रोकड़	1,000
लेनदार		30,000	बैंक में रोकड़	1,000
बैंक ऋण		20,000	देनदार	25,000
पूंजी	50,000		स्टॉक	10,000
जमा : शुद्ध लाभ	10,000		विनियोग	5,000
	60,000		फर्नीचर	15,000
घटा : आहरण	−3,000	57,000	प्लांट एवं मशीन	58,000
		1,15,000		1,15,000

उदाहरण 6

श्री अरूण द्वारा निम्न सूचनाएँ दी गई हैं। 31 मार्च, 2012 का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	राशि (₹)
लेनदार	30,000
देनदार	35,000

हस्तस्थ रोकड़	24,500
बैंक में रोकड़	27,500
स्टॉक	22,500
फर्नीचर	25,000
ऋण	50,000
प्लांट एवं मशीन	32,500
भवन एवं भूमि	52,000
पूंजी	1,37,000
शुद्ध लाभ	12,000
आहरण	10,000

हल

श्री अरूण कुमार का स्थिति विवरण
31 मार्च, 2012 को

देनदारियाँ		राशि (₹)	सम्पत्ति	राशि (₹)
लेनदार		30,000	हस्तस्थ रोकड़	24,500
ऋण		50,000	बैंक में रोकड़	27,500
पूंजी	1,37,000		देनदार	35,000
जमा : शुद्ध लाभ	12,000		स्टॉक	22,500
	1,49,000		फर्नीचर	25,000
घटा : आहरण	10,000	1,39,000	प्लांट एवं मशीन	32,500
			भूमि एवं भवन	52,000
		2,19,000		2,19,000

पाठगत प्रश्न 14.3

I. रिक्त स्थान भरो :

i. सम्पत्तियों को स्थिति विवरण के _____ पक्ष में दर्शाया जाता है।

ii. पूंजी को _____ के दायित्व पक्ष में दर्शाया जाता है।

iii. स्थिति विवरण के दायित्व पक्ष व सम्पत्ति पक्ष का योग हमेशा _____ होता है।

iv. स्टॉक _____ सम्पत्ति का एक उदाहरण है।

v. फर्नीचर _____ सम्पत्ति का एक उदाहरण है।

II. निम्नलिखित सम्पत्तियों को स्थायी सम्पत्ति तथा चालू सम्पत्ति में वर्गीकृत करो:

सम्पत्ति	सम्पत्ति का प्रकार (स्थायी या चालू)
i. देनदार ii. भूमि एवं भवन iii. प्लांट एवं मशीन iv. बैंक में रोकड़ v. मोटर गाड़ी vi. हस्तस्थ रोकड़	

उदाहरण 7

31 मार्च, 2012 को मैसर्स पवन सेल्स के निम्नलिखित शेष हैं। वर्ष समाप्ति 31 मार्च 2012 के लिए व्यापार खाता, लाभ-हानि खाता और उसी तिथि को स्थिति-विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
आहरण	8,000	विक्रय	2,58,000
पूंजी	48,000	वापसी अंतर्वाह	2,000
विविध लेनदार	80,000	वापसी बहिर्वाह	2,200
विविध देनदार	1,26,000	कार्यालय वेतन	18,000
प्राप्य बिल	10,000	विनिर्माण मजदूरी	8,000
प्रारम्भिक स्टॉक	90,000	कमीशन	9,000
फिक्चर्स एंड फिटिंग	13,000	व्यापारिक खर्चे	5,000
हस्तस्थ रोकड़	2,000	किराया	4,400
मशीन	24,800	प्राप्त की गई छूट	8,000
बैंक अधिविकर्ष	10,000	देय विपत्र	14,000
क्रय	1,00,000		

31 मार्च, 2012 को अन्तिम स्टॉक रू. 1,04,000 था।

हल

मैसर्स पवन सेल्स का व्यापार और लाभ हानि खाता
31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए

नाम जमा

		राशि (₹)			राशि (₹)
प्रारम्भिक रहतिया		90,000	विक्रय	2,58,000	
क्रय	1,00,000		*घटा :* वापसी	2,000	2,56,000
घटा : वापसी	–2,200	97,800	अन्तिम स्टॉक		1,04,000
निर्माण मजदूरी		8,000			
सकल लाभ आ. ले.		1,64,200			
		3,60,000			3,60,000
आफिस व्यय		18,000	सकल लाभ आ. ला.		1,64,200
कमीशन		9,000	छूट		8,000
व्यापारिक व्यय		5,000			
किराया		4,400			
शुद्ध लाभ का पूंजी खाते में हस्तांतरण		1,35,800			
		1,72,200			1,72,200

स्थिति विवरण
31 मार्च, 2012 को

देनदारियाँ		राशि (₹)	सम्पत्तियां	राशि (₹)
देय विपत्र		14,000	हस्तस्थ रोकड़	2,000
लेनदार		80,000	प्राप्य बिल	10,000
बैंक अधिविकर्ष		10,000	देनदार	1,26,000
पूंजी	48,000		स्टॉक	1,04,000
घटा : आहरण	–8,000		फिक्चर्स व फिटिंग	13,000
	40,000		मशीन	24,800
जोड़ : शुद्ध लाभ	1,35,800	1,75,800		
		2,79,800		2,79,800

पाठगत प्रश्न 14.4

I. निम्नलिखित विवरण सही हैं या गलत :

i. स्थिति विवरण व्यवसाय के पूरे वर्ष की वित्तीय स्थिति को दर्शाता है।

ii. लाभ हानि खाता और स्थिति विवरण समान हैं।

iii. स्थिति विवरण का सम्पत्ति पक्ष केवल व्यवसाय की स्थायी सम्पत्ति को दर्शाता है।

iv. स्थिति विवरण का दायित्व पक्ष आन्तरिक व बाह्य दोनो देयताएं दर्शाता है।

II. वस्तुनिष्ठ प्रश्न

i. व्यवसाय का सकल लाभ जानने के लिए कौन सा वित्तीय विवरण तैयार किया जाता है?

क) लाभ हानि खाता ख) व्यापार खाता
ग) स्थिति विवरण घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

ii. व्यवसाय की सम्पत्तियों और देनदारियों की स्थिति को जानने के लिए कौन सा वित्तीय विवरण तैयार किया जाता है?

क) स्थिति विवरण ख) लाभ हानि खाता
ग) व्यापार खाता घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

iii. सकल लाभ किनके बीच का अन्तर है।

क) कुल सम्पत्तियों और कुल देनदारियो के
ख) विक्रय और समस्त खर्चों के
ग) विक्रय और समस्त अप्रत्यक्ष खर्चों के
घ) विक्रय और विक्रीत माल की लागत का

iv. निम्न में से कौन सा अप्रत्यक्ष व्यय नहीं है :

क) आगत भाड़ा ख) दी गई छूट
ग) दिया गया किराया घ) कमीशन का भुगतान किया

v. निम्न में से कौन सी चालू सम्पत्ति है :

क) भूमि ख) भवन
ग) बैंक में रोकड़ घ) मशीन

आपने क्या सीखा

- एक व्यवसायिक फर्म ने एक अवधि के दौरान कितना सकल लाभ और शुद्ध लाभ कमाया है। और एक निश्चित तिथि को उसकी सम्पत्तियों और देयताओं की स्थिति क्या है? यह जानने के लिए लेखांकन वर्ष के अन्तिम दिन वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं।
- एक अवधि के दौरान व्यापार खाता सकल लाभ या सकल हानि का पता लगाने के लिए तैयार किया जाता है। लाभ हानि खाता निश्चित अवधि में व्यवसाय के शुद्ध लाभ या शुद्ध हानि को जानने के लिए तैयार किया जाता है। व्यापार खाता और लाभ हानि खाता दोनों को मिलाकर, आय विवरण कहलाता है।
- निश्चित तिथि को व्यवसाय की सम्पत्तियों व देयताओं की स्थिति को जानने के लिए तुलनपत्र बनाया जाता है। यह स्थिति विवरण कहलाता है।

- वित्तीय विवरण व्यवसायिक कार्यविधियों का परिणाम जानने के लिए तैयार किए जाते हैं अर्थात् व्यवसाय की वित्तीय स्थिति को जानने के लिए, निर्णय लेने में सहायता के लिए, प्रबन्ध की प्रगति को जानने के लिए व्यवसाय की रोकड़ स्थिति को जानने के लिए इत्यादि।

पाठांत प्रश्न

1. वित्तीय विवरण क्यों तैयार किए जाते हैं?
2. वित्तीय विवरणों को तैयार करने के उद्देश्य बताइए।
3. स्थिति विवरण तैयार करने के उद्देश्य बताइए।
4. प्रत्यक्ष व्यय और अप्रत्यक्ष व्यय में अन्तर बताइए।
5. व्यापार खाता और लाभ हानि खाते में अन्तर बताइए।
6. स्थायी सम्पत्ति व चालू सम्पत्ति प्रत्येक के पांच उदाहरण दीजिए।
7. आन्तरिक देनदारियाँ और बाह्य देनदारियों, प्रत्येक के तीन उदाहरण दीजिए।
8. निम्न शेषों द्वारा 31 मार्च, 2012 को समाप्त हुए वर्ष का व्यापार खाता तैयार कीजिए।

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
प्रारम्भिक स्टॉक	6,000	क्रय	11,500
क्रय वापसी	500	विक्रय	48,00
विक्रय वापसी	600	माल ढुलाई और चुंगी	500
क्रय पर ढुलाई	1,000	मजदूरी	2,500
फैक्ट्री बिजली	600	आयात कर	900
कार्यालय किराया	1,200	विक्रय पर ढुलाई	3,000
कोयला, गैस तथा पानी	800		

9. 31 मार्च, 2012 के अन्त में निम्नलिखित विवरण से लाभ हानि खाता बनाइए।

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
सामान्य व्यय	800	सकल लाभ	32,100
दान	100	विक्रय पर ढुलाई	900
बिजली व्यय	175	ऑफिस व्यय	650
कानूनी व्यय	180	आग बीमा किस्त	1,200
विज्ञापन	440	टेलीफोन व्यय	600
कमीशन	870	विक्रय कर	800
किराया	1,800	स्थापना व्यय	700
विनियोग पर ब्याज	700	विविध खर्चे	750
विविध प्राप्तियां	700	प्राप्त की गई छूट	1,090
अप्रत्यक्ष व्यय	340	यात्राकर्ता का वेतन	300
छपाई एवं स्टेशनरी	65	मरम्मत	270

10. गोपाल नाथ एंड सन्स के तलपट शेषों से, 31 दिसम्बर, 2012 को समाप्त हुए वर्ष हेतु व्यापार और लाभ-हानि खाता तथा उसी तिथि को स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

विवरण	राशि (₹)	विवरण	राशि (₹)
प्रारम्भिक स्टॉक	4,000	देय विपत्र	1,200
क्रय	12,000	क्रय वापसी	300
ढुलाई	1,170	लेनदार	2,700
मजदूरी	1,000	विक्रय	20,000
विक्रय वापसी	200	पूंजी	30,000
आहरण	1,500	प्राप्त की गई कमीशन	120
कार्यालय व्यय	250		
वेतन	1,600		
छूट	300		
मरम्मत	1,200		
विज्ञापन	500		
देनदार	6,000		
प्लांट एवं मशीन	12,000		
भवन	10,000		
हस्तस्थ रोकड़	600		
बैंक में रोकड़	2,000		
	54,320		54,320

31 दिसम्बर, 2012 को अन्तिम स्टॉक ₹ 6,000 था।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

14.1 (i) व्यापार खाता (ii) शुद्ध विक्रय (iii) व्यापार
(iv) जमा पक्ष (v) शुद्ध क्रय

14.2 (i) गलत (ii) गलत (iii) सही (iv) गलत

14.3 **I.** (i) दायीं ओर सम्पत्ति (ii) स्थिति विवरण (iii) समान
(iv) चालू (v) स्थायी

II. (i) चालू (ii) स्थायी (iii) स्थायी (iv) चालू
(v) स्थायी (vi) चालू

14.4 **I.** (i) गलत (ii) गलत (iii) गलत (iv) सही

II. (i) ख (ii) क (iii) घ (iv) क (v) ग

आपके लिए क्रियाकलाप

- अपने क्षेत्र के आसपास के एक छोटे व्यवसायिक संगठन पर जाइए उनसे, उनके अन्तिम खातों को दिखाने के लिए निवेदन कीजिए। लेखाकार की सहायता से अन्तिम खातो को तैयार करने की तकनीक को सीखिए।